[This question paper contains 6 printed pages.]

8770 *आपका अनुक्रमांक* _____

B.A. (Programme) / II **AS**

(L)

HINDI DISCIPLINE – Paper II

हिन्दी अनुशासन – प्रश्नपत्र-II

(हिन्दी गद्य विधाएँ, उपन्यास और गद्य साहित्य का परिचयात्मक इतिहास)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 100*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट :- प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक SOL/NCWEB/Non-Formal Cell के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में कम होंगे।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (12 + 12)

(क) महाराजा भोज के 'सरस्वती-कंठाभरण' से जान पड़ता है कि यह उत्सव त्रयोदशी के दिन होता था। 'मालविकाग्निमित्र' और 'रत्नावली' में इस उत्सव का बड़ा सरण-मनोहर वर्णन मिलता है। मैं जब अशोक के लाल स्तबकों को देखता हूँ तो मुझे वह पुराना वातावरण प्रत्यक्ष दिखाई दे जाता है। राजघरानों में साधारणतः रानी ही अपने सनूपुर चरणों के आघात से इस रहस्यमय वृक्ष को पुष्पित किया

P.T.O.

करती थी। कभी-कभी रानी अपने स्थान पर किसी अन्य सुन्दरी को भी नियुक्त कर दिया करती थी। कोमल हाथों में अशोक-पल्लवों का कोमलतर गुच्छा आया, ऊलक्तक से रंजित नुपूरमय चरणों के मृदु आघात से अशोक का पाद-देश आहत हुआ - नीचे हल्की रूनझुन और ऊपर लाल फूलों का उल्लास !

अथवा

गर्व से मेरी छाती फूल उठी। कौन कहता है कि बंगाल मर गया है ? जहाँ भूख और बीमारियों से लड़कर भी मनुष्यों के बालकों में क्राँति को चिरजीवी रखने का अपराजित साहस है, वह राष्ट्र कभी भी नहीं मर सकेगा। हड्डी-हड्डी से लड़ने वाले यह योद्धा जीवन की महान शक्ति को अभी तक अपने में जीवित रख सके हैं। संसार कहता है, स्टालिनग्राड में लोग खंडहरों में से लड़े थे और उन्होंने दुश्मन के दाँत खट्टे कर दिए। उन्होंने बर्बरता की धारा को रोककर रूस को गुलाम होने से बचा दिया। किंतु मैं पूछता हूँ क्या शिद्धिरंगज दूसरा स्टालिनग्राड नहीं ?

(ख) निश्चित जीवन, सुबह पैसेंजर ट्रेन आने पर स्टेशन की चहल-पहल, चिर परिचित चेहरे और पटरी पर रेल के पहियों की खट्-खट् जो उनके लिए मधुर संगीत की तरह थी तूफान और डाकगाड़ी के इंजनों की चिंघाड़ उनकी अकेली रातों की साथी थी। सेठ रामजीमल की मिल के कुछ लोग कभी पास आ बैठते, वही उनका दायरा था, वही उनके साथी। वह जीवन अब उन्हें एक खोई हुई निधि-सी प्रतीत हुआ। उन्हें लगा कि वे जिंदगी द्वारा ठगे गए हैं। उन्होंने जो कुछ चाहा, उसमें से उन्हें एक बूँद भी न मिली।

अथवा

उनकी आदत छः साढ़े छः बजे से पहले उठने की नहीं थी। लेकिन आज उठ गए थे, तो मन अप्रसन्न नहीं हुआ। आसमान में तारे अब भी चटक दिखाई दे रहे थे और बाहर के पेड़ों को हिलाती हुई और खपड़े को स्पर्श करके आँगन में न मालूम किस दिशा से आती ताज़ी हवा उनको आनंदित एवं उत्साहित कर रही थी। वह पुनः मुस्करा पड़े और उन्होंने धीरे-से फुस-फुसाया, चलो, अच्छा ही है।

2. (क) किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (5×4)

(i) 'डिप्टी-कलक्टरी' के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है ?

(ii) 'मजदूरी करने से हृदय पवित्र होता है, संकल्प दिव्य लोकांतर में विचरते हैं' - से क्या तात्पर्य है ?

(iii) 'वापसी' शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

(iv) 'भोलाराम का जीव' में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

(v) 'शुद्ध है केवल मनुष्य की दुर्दभ जिजीविषा (जीने की इच्छा) - 'अशोक के फूल' के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

(vi) बेला नए घर में क्या परिवर्तन चाहती थी और क्यों ?

(vii) सामाजिक जीवन की स्थिति और पुष्टि के लिए करूणा का प्रसार क्यों आवश्यक है ?

(ख) किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (2×3)

(i) कुएँ पर दो सवर्ण स्त्रियों के बीच हुए वार्तालाप का विषय क्या था ?

(ii) बर्लिन एसेंबल की प्रधान निर्देशिका का नाम लिखिए।

(iii) रमई ने बिविया को घर में रखने से क्यों मना किया ?

(iv) 'वापसी' में चारपाई किस का प्रतीक है ?

(v) शकलदीप बाबू जब घर पहुँचे तो मुर्दनी क्यों छाई हुई थी ?

(vi) सजिल्द पुस्तक हाथ में आते ही लेखक के अंतःकरण में रोज़ भरतमिलाप का सा समाँ क्यों बंध जाता है ?

(vii) बहुमूल्य संस्कृति से क्या तात्पर्य है ?

3. किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10)

(i) जब से घर की स्वामिनी हुई, तभी से मानो उसकी तपश्चर्या का आरंभ हुआ और सारी लालसाएँ एक-एक करके धूल में मिल गईं। उसने उन आभूषणों की ओर से आँखें हटा लीं। उनमें इतना आकर्षण था कि उनकी ओर ताकते हुए वह डरती थी। कहीं उसकी विरक्ति का परदा न खुल जाए। (गबन)

(ii) इस वक्त अगर कोई काला साँप नज़र आए, तो वह दोनों हाथ फैलाकर उसका स्वागत करेगा और उसके विष को सुधा की तरह पिएगा। मौत ही अब उसकी चिन्ताओं का अन्त कर सकती है। लेकिन क्या मौत उसे बदनामी से बचा सकती है ? कुल में कलंक लगाकर मरने के बाद भी अपनी हँसी कराके चिन्ताओं से मुक्त हुआ तो क्या, लेकिन दूसरा उपाय ही क्या ? (गबन)

(iii) एकाएक शकुन फूट-फूटकर रो पड़ीं। यह आवेग एक या दो दिन का नहीं था, कई दिनों का आवेग था, जिसे वह साधे-साधे घूमती थी, कभी भय से तो कभी अपराध से। अब उसे किसी के सामने डरना नहीं है, किसी के सामने अपराधी चेहरा लिए नहीं घूमना है। पर मन है कि इस बात से हल्का और आश्वस्त नहीं हो रहा, सिर्फ रो रहा है, बिसूर-बिसूर कर। अपने को कोस रहा है। (आपका बंटी)

(iv) रास्ते भर बंटी सोचता गया कि बहुत सारी बातें हैं जो वह पापा से पूछेगा। ममी से पूछी नहीं जातीं। कभी शुरू भी करता है तो या तो ममी उदास हो जाती या सख्त। उदास ममी बंटी को दुखी करती हैं और सख्त ममी उसे डराती है। और इधर तो ममी को पता नहीं क्या कुछ होता जा रहा है। पास लेटी ममी भी उसे बहुत दूर लगती हैं। उसके और ममी के बीच में जरूर कोई रहता है। शायद वकील चाचा की कही हुई कोई बात, शायद कोई गड़बड़ी। उसे कोई कुछ नहीं बताता, वह अपने आप समझे भी क्या ? (आपका बंटी)

4. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए :- (15)

(i) 'गबन' में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'उपन्यास विधा की दृष्टि से 'गबन' का मूल्यांकन कीजिए।

(iii) 'शकुन-अजय के संबंधों का तनाव सबसे अधिक बंटी को ही झेलना पड़ता है' विचार कीजिए।

(iv) अजय **अथवा** डॉक्टर की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए।

P.T.O.

5. प्रेमचंद पूर्व कहानी **अथवा** हिन्दी एकांकी के विकास की चर्चा कीजिए। (13)

6. हिन्दी व्यंग्य **अथवा** हिन्दी रेखाचित्र के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए। (12)